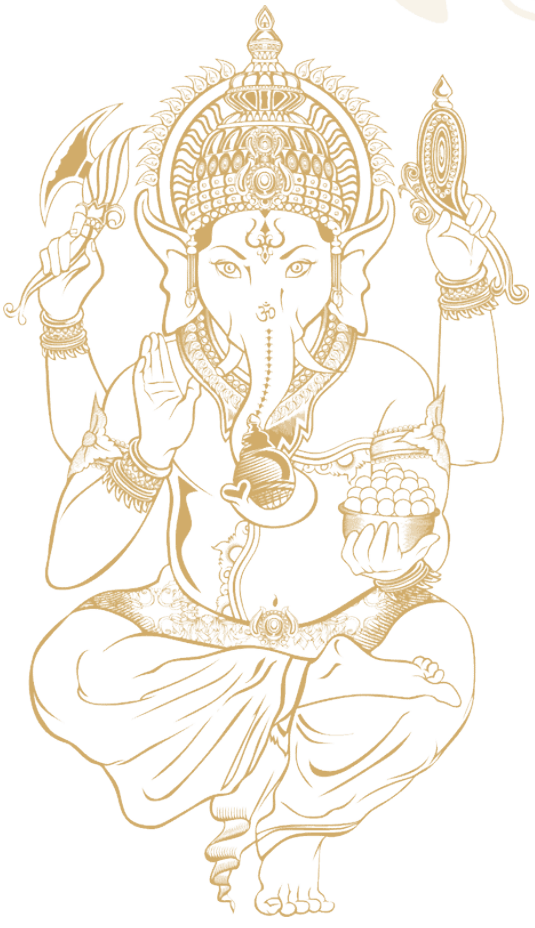

Mr.

06 Dec 2017

12:04 AM

Solan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121792904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/12/2017**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:04:00 घंटे**
इष्ट	42:27:08 घटी
स्थान	**Solan**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	30:54:00 उत्तर
रेखांश	77:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:42:24 घंटे
वेलान्तर	00:09:23 घंटे
साम्पातिक काल	04:41:24 घंटे
सूर्योदय	07:05:08 घंटे
सूर्यास्त	17:19:25 घंटे
दिनमान	10:14:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:42:47 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:55:29 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:55:29	310:26:17	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	19:42:47	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	19:45:03	15:02:32	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			तुला	03:38:00	00:37:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व		धनु	04:39:50	00:26:36	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			तुला	17:56:07	00:12:05	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	11:24:53	01:15:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
शनि			धनु	04:12:20	00:06:56	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	22:51:17	00:05:42	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	22:51:17	00:05:42	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	00:47:30	00:01:22	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	17:24:41	00:00:27	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	23:50:08	00:01:45	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			वृष	17:45:11	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:15

लग्न-चलित

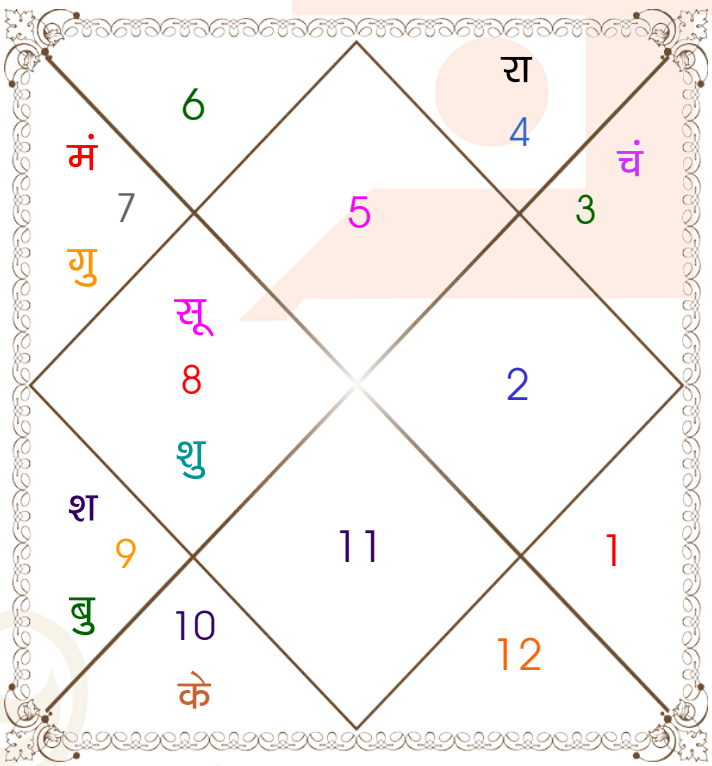

चन्द्र कुंडली

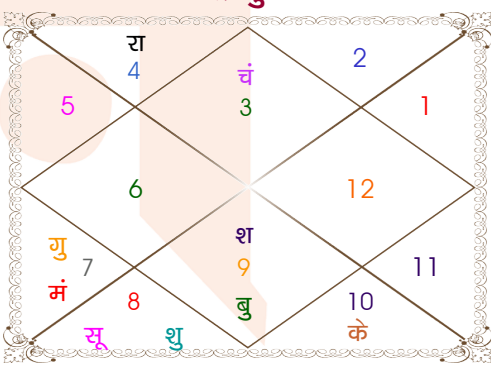

नवमांश कुंडली

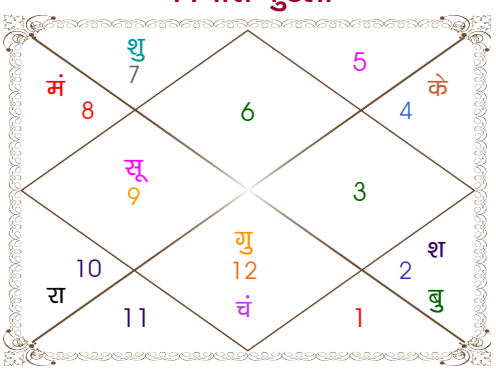

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 4 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/12/2017		07/04/2018		07/04/2034		07/04/2053		07/04/2070	
07/04/2018		07/04/2034		07/04/2053		07/04/2070		07/04/2077	
00/00/0000	गुरु	26/05/2020	शनि	10/04/2037	बुध	04/09/2055	केतु	03/09/2070	
00/00/0000	शनि	07/12/2022	बुध	19/12/2039	केतु	31/08/2056	शुक्र	04/11/2071	
00/00/0000	बुध	14/03/2025	केतु	27/01/2041	शुक्र	02/07/2059	सूर्य	10/03/2072	
00/00/0000	केतु	18/02/2026	शुक्र	29/03/2044	सूर्य	07/05/2060	चंद्र	09/10/2072	
00/00/0000	शुक्र	19/10/2028	सूर्य	11/03/2045	चंद्र	07/10/2061	मंगल	08/03/2073	
00/00/0000	सूर्य	07/08/2029	चंद्र	10/10/2046	मंगल	04/10/2062	राहु	26/03/2074	
00/00/0000	चंद्र	07/12/2030	मंगल	19/11/2047	राहु	22/04/2065	गुरु	02/03/2075	
06/12/2017	मंगल	13/11/2031	राहु	25/09/2050	गुरु	29/07/2067	शनि	10/04/2076	
मंगल 07/04/2018	राहु	07/04/2034	गुरु	07/04/2053	शनि	07/04/2070	बुध	07/04/2077	

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/04/2077		07/04/2097		09/04/2103		08/04/2113		08/04/2120	
07/04/2097		09/04/2103		08/04/2113		08/04/2120		07/12/2137	
शुक्र	07/08/2080	सूर्य	26/07/2097	चंद्र	07/02/2104	मंगल	04/09/2113	राहु	20/12/2122
सूर्य	07/08/2081	चंद्र	24/01/2098	मंगल	07/09/2104	राहु	23/09/2114	गुरु	15/05/2125
चंद्र	08/04/2083	मंगल	01/06/2098	राहु	09/03/2106	गुरु	30/08/2115	शनि	21/03/2128
मंगल	07/06/2084	राहु	26/04/2099	गुरु	09/07/2107	शनि	07/10/2116	बुध	08/10/2130
राहु	07/06/2087	गुरु	12/02/2100	शनि	06/02/2109	बुध	05/10/2117	केतु	26/10/2131
गुरु	05/02/2090	शनि	25/01/2101	बुध	09/07/2110	केतु	03/03/2118	शुक्र	26/10/2134
शनि	07/04/2093	बुध	01/12/2101	केतु	07/02/2111	शुक्र	03/05/2119	सूर्य	20/09/2135
बुध	06/02/2096	केतु	08/04/2102	शुक्र	07/10/2112	सूर्य	08/09/2119	चंद्र	21/03/2137
केतु	07/04/2097	शुक्र	09/04/2103	सूर्य	08/04/2113	चंद्र	08/04/2120	मंगल	07/12/2137

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।